संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -262 मंगलवार ,23 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का तेईसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

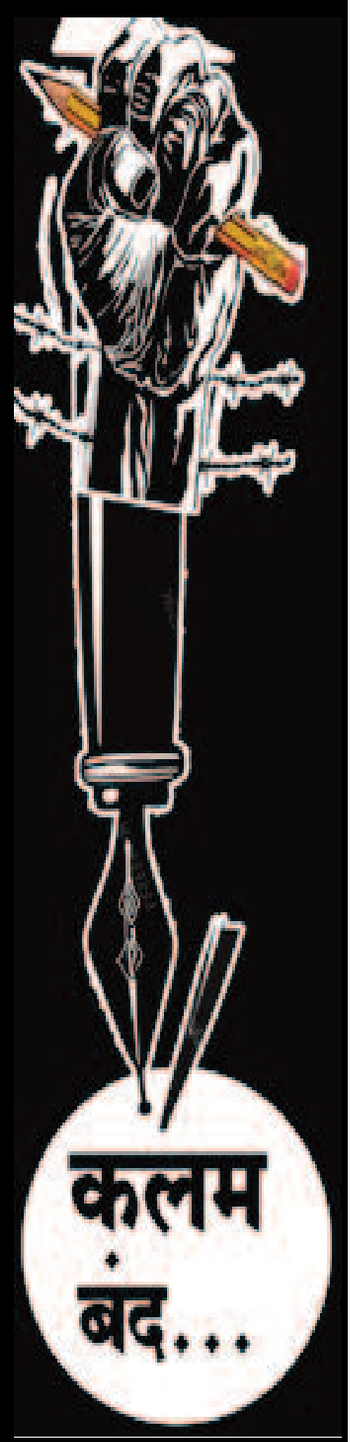

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का तेईसवां दिन

?

कलम बंद...का तेईसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 22 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का तेईसवां दिन

कलम बंद...का तेईसवां दिन

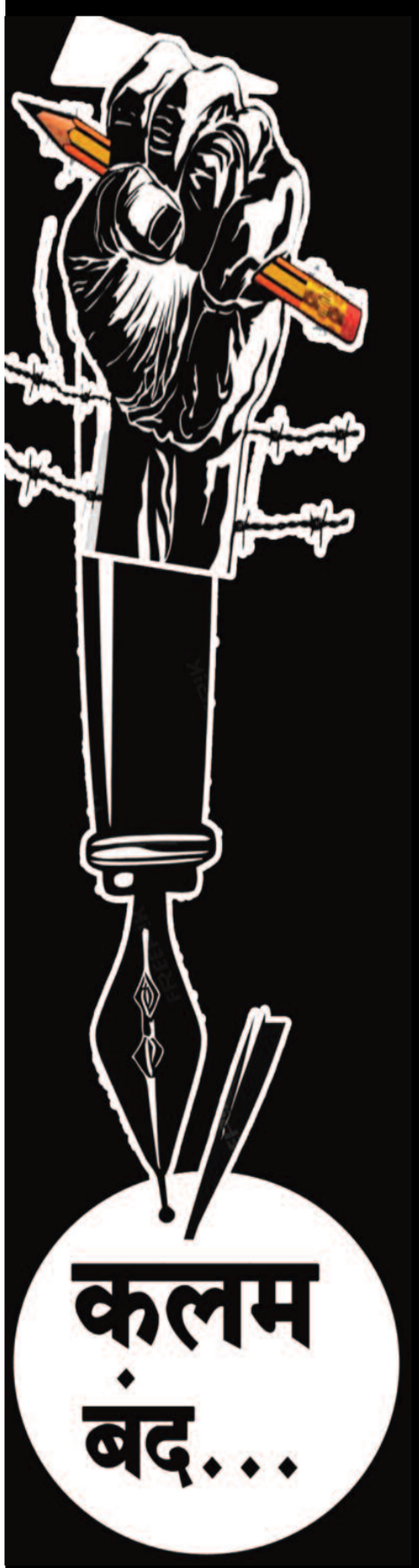

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

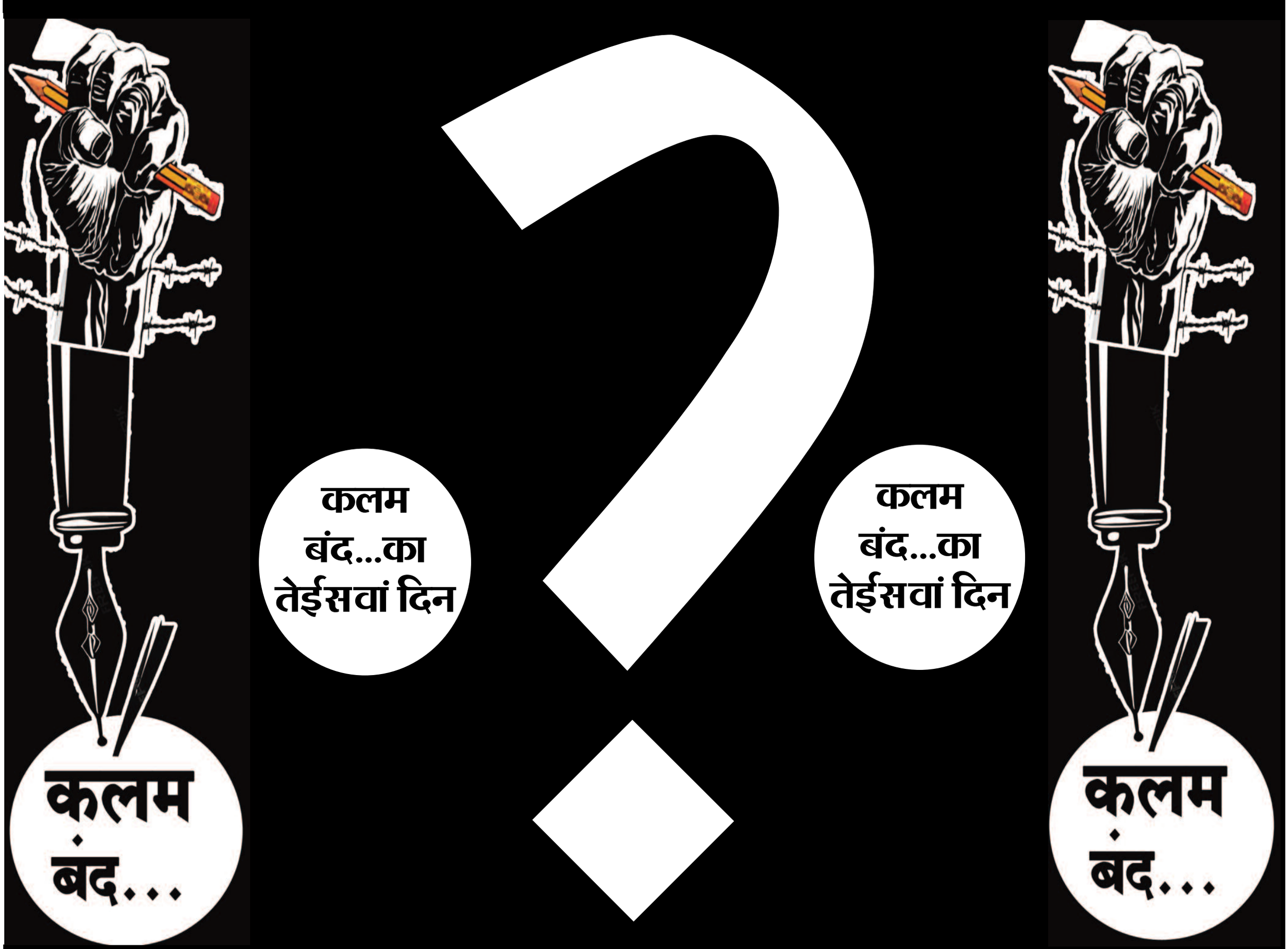

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का तेईसवां दिन

कलम बंद...का तेईसवां दिन

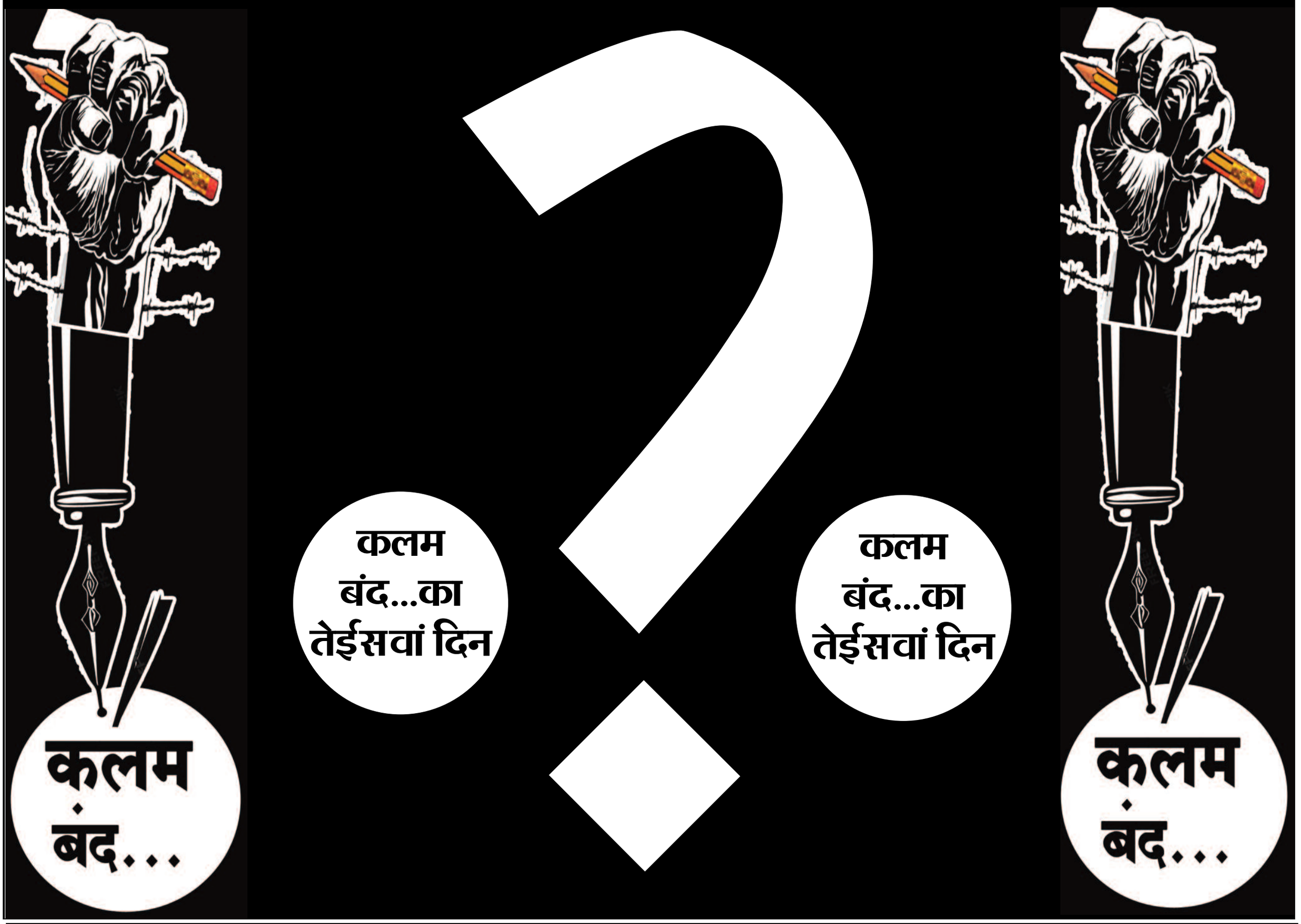

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 22 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

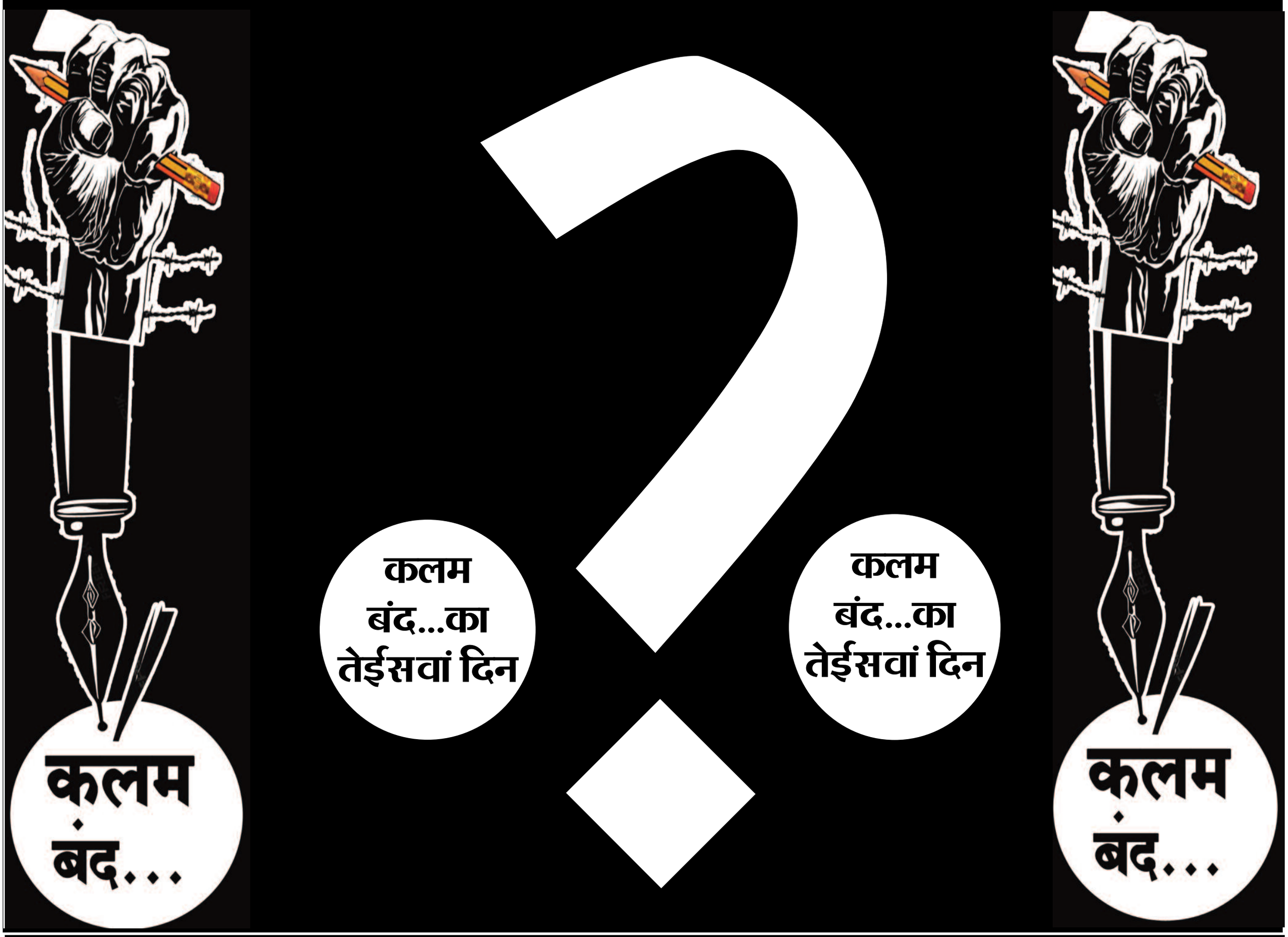

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

संक्षिप्त खेल समाचार

रविंद्र जडेजा को वनडे सीरीज के लिए टीम में क्यों नहीं मिली जगह

» अजीत अगरकर ने क्या कहा?

नई दिल्ली,22 जुलाई 2024। श्रीलंका दौरे पर वनडे सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम में स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को मौका नहीं मिला है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम के चैंपियन बनने के बाद जडेजा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका चयन न होने पर सवाल खड़े हो रहे थे कि कहीं उनका वनडे करियर भी तो समाप्त होने की कगार पर तो नहीं है। भारत के श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अजीत अगरकर ने जडेजा को लेकर कहा कि आगे खूब टेस्ट क्रिकेट होना है, ऐसे में उन्हें वनडे सीरीज में नहीं चुना गया। अगरकर ने ये भी कहा कि टीम घोषित करते वक्त ही साफ कर देना चाहिए था कि वह ड्रॉप नहीं हुए हैं, बल्कि आराम दिया गया है।

हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को क्यों बनाया गया टी 20 का कप्तान?

नई दिल्ली,22 जुलाई 2024। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यह साफ कर दिया है कि हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 को कप्तान क्यों बनाया गया है। एक प्रसे वार्ता में अगरकर ने बताया कि हार्दिक पंड्या की फिटनेस संबंधी चिंताओं ने चयन पैनल और टीम प्रबंधन को उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में पदोन्नत नहीं करने के लिए मजबूर किया।

ओलंपिक 2024 के लिए तैयार हुआ पेरिस का शहर

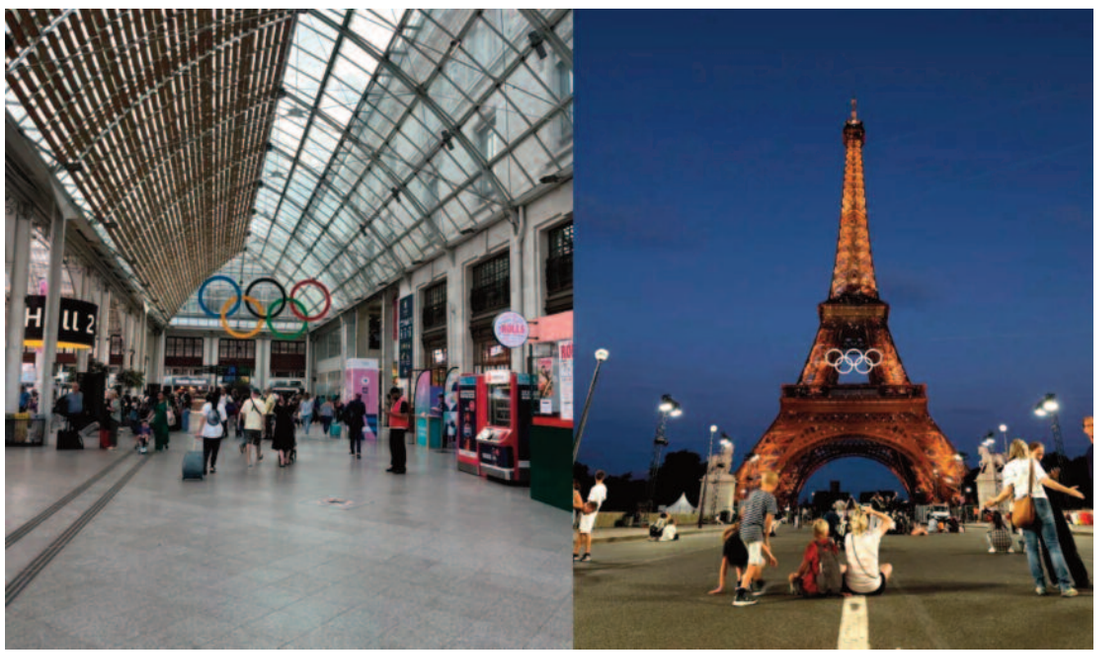

पेरिस,22 जुलाई 2024। ओलंपिक 2024 का आयोजन इस बार फ्रांस की राजधानी पेरिस में किया जा रहा है। ओलंपिक के लिए भारतीय दल भी तैयार है। भारत की ओर से इस बार ओलंपिक में कुल 117 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। इस एथलीटों की नजरें ओलंपिक में मेडल जीतने पर होंगी। भारत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में 7 मेडल जीते थे। जोकि अब तक ओलंपिक के इतिहास में भारत का सबसे बेस्ट प्रदर्शन रहा है। ओलंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई से हो रही है। इसके लिए पेरिस का शहर पूरी तरह से तैयार हो गया है। इसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आई हैं। जिसमें पेरिस काफी सुंदर नजर आ रहा है।

सामने आया एविग्नन ट्रेन स्टेशन का वीडियो

ओलंपिक शुरू होने से पहले एविग्नन ट्रेन स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। ओलंपिक के दौरान 10,500 पेरिस पहुंचेंगे। इसके अलावा लाखों फैंस भी अपने देश को सपोर्ट करने के लिए वहां आएंगे। ऐसे में शहर में सुरक्षा से लेकर तमाम इंतजाम कर लिए गए हैं। एविग्नन ट्रेन स्टेशन का वीडियो जो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि ओलंपिक का लोगो स्टेशन पर लगाया गया है। जिसे देखकर लग रहा है कि पेरिस ओलंपिक का स्वागत करने के लिए पूरी तरह से उत्साहित है।

सज गया आइफिल टावर

ओलंपिक को देखते हुए आइफिल टावर को भी सजा दिया गया है। आइफिल टावर पर भी ओलंपिक का लोगो नजर आ रहा है। आइफिल टावर पेरिस शहर की पहचान है। आइफिल टावर दुनिया में काफी मशहूर है। इसकी सुंदरता के लोग दिवाने हैं। रात के समय आइफिल टावर ओलंपिक के लोगो के साथ और भी सुंदर नजर आ रहा है। लोग ओलंपिक के लोगो के साथ अपनी तस्वीरें ले रहे हैं। आइफिल टावर को पेरिस के शहर के कई कोनो से देखा जा सकता है। यही कारण है कि इसपर ओलंपिक का साइन लगा दिया गया है। इस बार ओलंपिक में एथलीटों को जो मेडल दिए जाएंगे। उस मेडल में आइफिल टावर के धातु का इस्तेमाल किया गया है।

वेस्टइंडीज को हराकर इंग्लैंड ने मारी लंबी छलांग

» पाकिस्तान पर मंडराया खतरा...

नार्टिघम,22 जुलाई 2024। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला भी पूरा हो गया है। इस मैच को जीतने के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज पर तो कब्जा कर ही लिया है, साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भी लंबी छलांग लगा दी है। इससे भारतीय टीम की सेहत पर तो कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन पाकिस्तान के लिए अभी तो नहीं, लेकिन आने वाले वक्त में जरूर मुश्किल खड़ी हो सकती है। टीम अब डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में सीधे नंबर 7 पर पहुंच गई है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत नंबर वन

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के ताजा प्वाइंट्स टेबल की बात की जाए तो यहां पर भारतीय क्रिकेट टीम नंबर एक की कुर्सी पर काबिज है। टीम इंडिया का पीसीटी अभी 68.51 का है। जो बाकी सभी टीमों से ज्यादा है। इसके बाद अगर दूसरे नंबर की बात की जाए तो यहां पर ऑस्ट्रेलिया टीम है। ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी अभी 62.50 का है। यानी पहले और दूसरे नंबर की टीम के बीच अंतर तो है, लेकिन ये बहुत ज्यादा नहीं है। एक मैच में हार जीत के बाद ही इसमें बदलाव हो सकता है।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें बराबरी पर

टॉप 2 टीमों के बाद की बात की जाए तो न्यूजीलैंड और श्रीलंका का पीसीटी बराबर है। इन दोनों का पीसीटी इस वक्त 50 का है। लेकिन न्यूजीलैंड के अंक ज्यादा हैं, इसलिए ये टीम नंबर 3 पर है और श्रीलंका के अंक थोड़े कम हैं, इसलिए ये टीम नंबर 4 पर है। इसके बाद नंबर आता है पाकिस्तान क्रिकेट टीम का। पाकिस्तान का पीसीटी इस वक्त 36.66 का है। टीम नंबर 5 पर जमी हुई है।

इंग्लैंड की टीम लगातार दो मैच जीतकर छठे स्थान पर पहुंची

अब बात करते हैं इंग्लैंड की, जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ बैक टू बैक दो मुकाबले जीतकर लंबी छलांग मारी है। इंग्लैंड का पीसीटी अब 31.25 का हो गया है। टीम अब सीधे छठे नंबर पर आ गई है। सीरीज का अभी एक और मुकाबला बाकी है। अगर ये मुकाबला भी इंग्लैंड की टीम जीतने में कामयाब होती है तो उसका पीसीटी अचानक से बढ़कर 36.53 का हो जाएगा। यानी पाकिस्तान टीम के काफी करीब इंग्लैंड पहुंच जाएगा। हालांकि इंग्लैंड की टीम छठे नंबर पर ही रहेगी, लेकिन आने वाले वक्त में पाकिस्तान के लिए मुश्किल जरूर बढ़ती हुई नजर आ सकती है।

वेस्टइंडीज की टीम सबसे नीचे पहुंची

इसके बाद की टीमों की बात की जाए तो साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश का पीसीटी 25 का है और ये टीमें सातवें व आठवें नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज को लगातार दो मैच हराने का भारी नुकसान हुआ है। टीम अब 22.22 का पीसीटी के साथ सबसे आखिरी यानी नौवें नंबर पर पहुंच गई है। हालांकि उसके पास मौका है कि इंग्लैंड सीरीज का आखिरी मैच जीतकर कुछ आगे निकला जाए,लेकिन इंग्लैंड जिस आक्रामक अंदाज में खेल रहा है, उससे नहीं लगता कि वेस्टइंडीज की दाल गलेगी।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए किया प्लेइंग 11 का ऐलान

इन खिलाड़ियों को मिला मौका

बर्मिघम,22 जुलाई 2024। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस सीरीज के पहले मुकाबले दो मुकाबलों को इंग्लैंड की टीम ने एकतरफा अंदाज में अपने नाम कर लिया है। वहीं अब इंग्लिश टीम ने तीसरे मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 का ऐलान कर दिया। इस सीरीज को पहले ही अपने नाम कर चुकी इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज को क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड ने तीसरे मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई भी बदलाव नहीं किया है। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच शुक्रवार को एजबेस्टन में शुरू होगा। इससे पहले इंग्लैंड ने लॉर्ड्स और ट्रेंट ब्रिज में जीत हासिल की थी।

भारत के साथ क्रिकेट मैच खेलने के लिए पाकिस्तान का नया दांव

करांची,22 जुलाई 2024। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करेगा। भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं, खैर पर संशय बना हुआ है लेकिन इससे पहले बड़ी जानकारी सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत को 2025 में किसी तटस्थ स्थान पर टी 20 बायलेटलर सीरीज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं, साथ ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने के अपने फैसले पर कायम है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी का प्लान क्या है...

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत को 2025 के दौरान किसी तटस्थ स्थान पर टी20 सीरीज के लिए आमंत्रित करेंगे। इससे पहले मोहसिन नकवी 19-22 जुलाई को श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में बीसीसीआई सचिव जय शाह से मुलाकात करेंगे। वहीं, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और भारतीय टीम पर पाकिस्तान का कहना है कि वह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी मैच लाहौर में खेले जाएं और भारतीय टीम पूरी सीरीज के दौरान एक ही होटल में रहेगी।

कोलंबो में बीसीसीआई सचिव जय शाह को मनाएंगे मोहसिन नकवी...

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से जुड़े सूत्रों का कहना है कि नवनिर्मित 5-सितारा होटल टीमों को दूर के होटलों में ठहरने की आवश्यकता को खत्म कर देगा, जिससे सुरक्षा के लिए सड़कें बंद नहीं होंगी। बहरहाल, ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी और बीसीसीआई सचिव जय शाह कोलंबो में आईसीसी वार्षिक सम्मेलन के दौरान मिलेंगे। इस दौरान मोहसिन नकवी बीसीसीआई सचिव जय शाह को मनाने की कोशिश करेंगे।

देश के लिए मां का समर्पण

» 19 महीने की बेटी को छोड़ पेरिस पहुंचीं दीपिका

पेरिस,22 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक का आगाज अगले सप्ताह से हो रहा है। इस टूर्नामेंट के लिए एथलीटों की तैयारी जोरों पर है। पेरिस ओलंपिक का हिस्सा भारतीय एथलीट धीरे-धीरे पहुंच रहे हैं। भारतीय आर्चर दीपिका कुमारी अगले सप्ताह शुरू हो रहे ओलिंपिक में चुनौती पेश करने के लिए पेरिस पहुंच चुकी है। दरअसल, दीपिका कुमारी को अपनी 19 महीने की बेटी की कमी खल रही है, लेकिन इस भारतीय तीरंदाज के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल आयोजन में पदक के सपने को पूरा करने के सामने यह बहुत छोटा सा त्याग है। दीपिका कुमारी चौथी बार ओलिंपिक खेलों में हिस्सा ले रही है लेकिन उन्हें ओलंपिक में पहले मेडल का इंतजार है।

इब्राहिम अली खान को चियर करने पहुंची थीं पलक तिवारी?

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को लेकर पिछले कुछ समय से ये खबर है कि वो मशहूर टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक को डेट कर रहे हैं। ये दोनों को कई मौकों पर एक साथ नजर आए हैं। दरअसल अक्सर पब्लिकली दोनों साथ दिखा करते हैं और यही वजह है कि लोग ये अनुमान लगा रहे हैं कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। पिछले दिनों इब्राहिम ने नई कार खरीदी थी, उसके बाद पलक उनके घर के बाहर नजर आई थीं। वहीं कुछ समय पहले पलक ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसे देखकर लोग कह रहे थे कि ये पटौदी हाउस की झलक है। खैर, इस वक्त पलक चर्चा में हैं इब्राहिम के फुटबॉल मैच को लेकर।दरअसल पलक और इब्राहिम के अफेयर की चर्चा को और हवा मिलती दिख रही है हाल ही में आयोजित फुटबॉल मैच की वजह से। पलक इब्राहिम का फुटबॉल मैच देखने

पहुंची थीं जहां वो उन्हें चियर करने पहुंची थीं। वहीं इससे पहले 10 जून को पलक को इब्राहिम के घर के बाहर देखा गया था। इसी के साथ इब्राहिम भी बाहर निकले थे। हालांकि, दोनों अलग-अलग कार से निकलते दिखे थे लेकिन डेटिंग की चर्चा वहां भी खूब होने लगी थी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश कुमार अग्रवाल आ0वेदप्रकाश अग्रवाल निवासी म0नं0-ए-ई-4 कुण्डला सिटी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 मु0नामा आम वास्ते नरेश अग्रवाल आ0 वेदप्रकाश अग्रवाल निवासी महामाया वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2371/6 रकबा 0.013 हे0 भूमि को अनावेदक पूर्णिमा जायसवाल पत्नी राहुल कुमार जायसवाल निवासी चांदनी चौक शास्त्री नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 11,35,000/-में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.08.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय- सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा
(छ.ग.)

सील

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीमा जिन्दल पत्नी रामनिवास जिन्दल निवासी जवाहर मार्के ट अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 312/26 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक ऋषि अग्रवाल आ0 स्व0 हुकुमचंद अग्रवाल निवासी चर्चरोड नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 17,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12/08/2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा
(छ.ग.)

सील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोरखनाथपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती गुरमीत कौर पति श्री अमरजीत सिंह,जाति सिक्ख, निवासी ग्राम गोरखनाथपुर,पोस्ट विश्रामपुर,तहसील-सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोरखनाथपुर, प.ह.न.24, रा.नि.म. केशवनगर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 128/2 रकबा0.400 में से रकबा 0.12 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधि प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 01.08.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.07.2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

सील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /बी-121/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास गर्ग आ0श्री विष्णु प्रताप अग्रवाल,निवासी गद्दीपारा,सेठ बसंतलाल मार्ग, अम्बिकापुर,जिला सरगुजा द्वारा ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा में छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निर्बन्धन तथा शर्तें) नियम 1999 के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के लिए कॉलोनाईजर के रूप में रजिस्ट्रीकरण हेतु ग्राम पंचायत में राशि रू0 10,000/-(दस हजार) दिनांक 14.05.2024 को जमा कराने की रसीद,राशि रू0 1,00,000/-(एक लाख) का पंजाब नेशनल बैंक शाखा अम्बिकापुर का बैंक का MULTI BENEFIT DEP MATURIT योजना के तहत रू0 1,00,000/- जमा किया गया है,जिसकी अवधि दिनांक 18.05.2029 तक है तथा खाता क्रमांक 611700DP00033139 है। स्वयं का पेन कार्ड वर्ष 2021-22,2022-23,2023-24का आयकर विवरणी,आवेदित भूमि ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर का ख0नं0 299/18,299/32, रकबा 2.000, 0.405 हे.भूमि कुल ख0नं0 2 कुल रकबा 2.405 हे0 भूमि का खसरा, बी-1 की प्रतिलिपि,बिल्डर और कॉलोनाईजर श्री विष्णु प्रताप अग्रवाल का प्रमाण-पत्र की प्रति के साथ प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31.07.2024 को मेरे न्यायालय में अथवा सहायक संचालक ,नगर तथा ग्राम निवेश क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(फागेश सिन्हा)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर जिला
सरगुजा (छ.ग.)

सील

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही,तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश्वर आ0 गीता प्रसाद, जाति रजवार निवासी नगर पंचायत जरही,उप तहसील-जरही, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं महेश्वर आ0 गीता प्रसाद का जन्म दिनांक 02/03/2006 को नगर पंचायत जरही, में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 07/08/2024 तक इस न्यायालय में में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 22/07/2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही,
प्रतापपुर जिला सूरजपुर
(छ0ग0)

सील

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही,तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक गीता प्रसाद आ0 सरजू, जाति रजवार निवासी नगर पंचायत जरही,उप तहसील-जरही, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं गीता प्रसाद आ0 सरजू का जन्म दिनांक 21/08/1979 को नगर पंचायत जरही, में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 07/08/2024 तक इस न्यायालय में में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 22/07/2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही,
प्रतापपुर जिला सूरजपुर
(छ0ग0)

सील

सूचना

मैं गया प्रसाद आ0 रामऔतार साह उम्र लगभग 52 वर्ष जाति रौनियार निवासी ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 का शपथपूर्वक निम्नांकित कथन करता हूं कि मेरी पत्नी रश्मी गुप्ता जिनका जन्म तिथि 27-05-1969 है त्रुटिवश मेरा आर्मी सर्विस बुक नं0-13979172K सिपाही गया प्रसाद 202 साटा बेट्री द्वारा 56 एपीओ रिकार्ड ऑफिस नासिक रोड कैम्प से दिनांक 17-12-2004 में सेवा निवृत हुआ हूं। अतः त्रुटिवश आर्मी डिस्चार्ज सर्विस बुक में एवं पेंशन प्रकरण में नाम रश्मी देवी तथा जन्मतिथि 20-03-1973 दर्ज हो गया है जिसे सुधारकर सही नाम रश्मि गुप्ता तथा जन्मतिथि 27-05-1969 है अंकित किया जावे। जो कि आधार कार्ड शैक्षणिक दस्तावेज पेनकार्ड में अंकित है को दर्ज किया जाए।

शपथकर्ता
गया प्रसाद
आ0 रामऔतार साह
निवासी ग्राम- गणेशपुर, तहसील लटोरी
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

खुला पत्र

गजब मंत्री जी...समाचार-पत्र पर एमरजेंसी जैसी स्थिति स्थापित कर स्वास्थ्य मंत्री अब सार्वजनिक रूप कह रहे कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है!

फाईल फोटो

फाईल फोटो

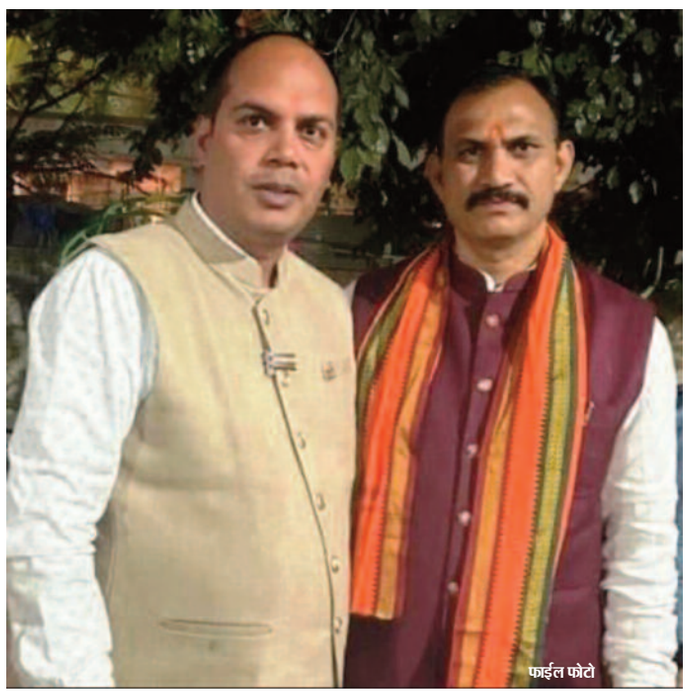

फाईल फोटो

फाईल फोटो

घटती घटना — अम्बिकापुर,शनिवार 10 फरवरी 2024 — 5

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

क्या स्वास्थ्य मंत्री पूरे मामले में लेंगे संज्ञान,क्या वह प्रधानमंत्री के ज़ीरो टॉलरेंस नीति पर करेंगे अमल?

आपके पड़ोसी जिले के स्वास्थ्य महकमें में जारी है...

स्वास्थ्य विभाग के कारनामों को लेकर जिला प्रशासन क्यों चुप्पी साध रखी है?

- » स्वास्थ्य मंत्री जी यदि मीडिया स्वतंत्र है तो फिर अखबार का शासकीय अनुदान का विज्ञापन क्यों रोका गया ?
- » स्वास्थ्य मंत्री की बातों में दोहरा चरित्र क्यों दिख रहा?
- » क्या अखबार में छप रही कमियों को रोकने केवल छत्तीसगढ़ सरकार ने खेला बड़ा दांव?
- » शासन के तुगलकी फरमान के विरोध में दैनिक घटती-घटना अखबार का कलम बंद अभियान के हुए 23 दिन पूरे...
- » क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी...क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी...क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी...?

अम्बिकापुर,22 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।आखिरकार दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान 17 दिन बाद प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का पहला बयान सामने आया,यह बयान एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार के प्रश्न पर उन्होंने जारी किया जिसमे उक्त पत्रकार ने प्रश्न किया कि प्रदेश में क्यों एक समाचार-पत्र कलम बंद अभियान चला रहा है...और क्यों वह प्रदेश के मुख्यमंत्री से और स्वास्थ्य मंत्री से यह प्रश्न कर रहा है...कि क्या प्रकाशित करे। वह अपने समाचार-पत्र में जिससे की सरकार को आपत्ति न हो और मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को जो प्रिय हो? इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार के प्रश्न पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री केवल इतना ही कह सके कि लोकतंत्र में सभी को अपना मत और विचार प्रकट करने का अधिकार है और लोकतंत्र में हर कोई अपना विरोध दर्ज करने के लिए स्वतंत्र है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री झूठ बोल गए?

स्वास्थ्य मंत्री ने समाचार-पत्र को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी बताया और उसे स्वतंत्र होने की बात भी कही वहीं यदि उनके दिए गए वक्तव्य और असल स्थिति की तुलना की जाए तो कहीं न कहीं स्वास्थ्य मंत्री झूठ बोल गए उन्होंने जिस मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताया लिखने और प्रकाशन की जिसके स्वतंत्रता की बात कही उसी मीडिया की प्रकाशित खबर से वह इतना असहज हुए की उन्होंने उसका शासकीय अनुदान वाला विज्ञापन ही बंद करा दिया और इसके लिए बाकायदा प्रदेश जनसंपर्क कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी को मौखिक निर्देश जारी खुद उन्होंने किया जैसा सूत्रों का दावा है। अब ऐसे में स्वास्थ्य मंत्री झूठ ही बोल रहे हैं यह कहना गलत नहीं होगा। जो स्वास्थ्य मंत्री मीडिया को स्वतंत्र और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ निरूपित कर रहे हैं वह खुद उसे कुचलने में लगे हुए हैं और यह कम से कम दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के मामले में तो कहा ही जा सकता है।

क्या स्वास्थ मंत्री अपने तथाकथित भतीजे सहित अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के लिए इतने समर्पित हो चुके हैं कि उनके अलावा किसी का भला नहीं सूझ रहा?

प्रदेश के स्वास्थ मंत्री अपने विभाग और अपने तथाकथित भतीजे सहित अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के लिए इतने समर्पित हो चुके हैं कि अब उन्हे उनके अलावा किसी का भला नहीं सूझ रहा। भतीजा जहां भ्रष्टाचार कर आज भी संविदा में मौज कर रहा है वहीं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी जिसकी नौकरी ही फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे प्राप्त हुई नौकरी है वह भी स्वास्थ्य मंत्री के सानिध्य और संरक्षण में सुरक्षित महसूस कर रहा है। वहीं इन्हीं दोनों मामले में खबर प्रकाशन की नाराजगी दैनिक घटती-घटना पर बीत रही है जिसके कारण उसका शासकीय विज्ञापन ही रोक दिया गया है। वैसे स्वास्थ्य मंत्री जी जिस तरह बयान दे रहे हैं कि प्रदेश में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को पूरी स्वतंत्रता है लिखने और खबर प्रकाशन की यदि उनका यह बयान सही है तो फिर सत्य प्रकाशन पर क्यों दैनिक घटती-घटना का शासकीय विज्ञापन रोका गया यह भी उन्हे बताना चाहिए।

दैनिक-घटती-घटना समाचार-पत्र को लेकर एमरजेंसी जैसी स्थिति

दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र को लेकर एमरजेंसी जैसी स्थिति स्थापित कर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अब यह कह रहे हैं सार्वजनिक रूप से की लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है वहीं मीडिया स्वतंत्र है जबकि उन्हीं की सरकार में उन्ही के निर्देश पर एक समाचार-पत्र आज प्रताड़ना झेल रहा है। वैसे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जी को आगामी बयान जारी कर यह जरूर बताना चाहिए कि उन्होंने जिस स्वतंत्रता की बात कही मीडिया को लेकर वह केवल उनके लिए है जो सच प्रकाशन से बचते चले आ रहे हैं वहीं जो उनके भतीजे सहित उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के लिए सच का प्रकाशन नहीं करते।

कलम बंद अभियान के 22 दिन बाद भी...नहीं बता पाए मुख्यमंत्री...स्वास्थ्य मंत्री व जनसंपर्क के सह संचालक...आखिर क्या छापें समाचार-पत्र में...

कलम बंद अभियान का आज 23 वा दिन है और 23 दिन से लगातार दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र प्रदेश के मुखिया और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से एक ही सवाल लगातार कर रहा है वह सवाल है कि आखिर क्या प्रकाशित करें समाचार पत्र में...वहीं 23 दिन बाद भी दोनों यह नहीं बता पा रहे हैं कि आखिर क्या प्रकाशित करे अखबार...अब सवाल यह उठता है कि समाचार प्रकाशन वह भी सत्य प्रकाशन से क्षुब्ध होकर जब दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बंद किया गया है तो प्रदेश के मुखिया,स्वास्थ्य मंत्री सहित जनसंपर्क अधिकारी जिसने विज्ञापन बंद किया है को जरूर बताना चाहिए की आखिर क्या प्रकाशित करें अखबार में...।

छत्तीसगढ़ में एक ही अखबार का शासकीय अनुदान विज्ञापन क्यों रोका गया?

प्रदेश में एक ही अखबार का शासकीय अनुदान विज्ञापन बंद किया गया है वहीं स्वास्थ्य मंत्री मामले में यह बयान दे रहे हैं की लोकतंत्र है मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसे कुछ भी स्वतंत्र रूप से प्रकाशन करने का हक है। अब सवाल यह है कि क्या यही स्वतंत्रता है लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को प्रदेश में क्या सच प्रकाशन का यही इनाम है की शासकीय अनुदान ही बंद कर दिया जायेगा किसी अखबार का। वैसे यदि ऐसा है तो इसको स्पष्ट करना चाहिए।

घटती घटना — अम्बिकापुर,रविवार 25 फरवरी 2024 — 5

प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग जिला कोरिया पर क्यों मेहरबान है भाजपा सरकार?

घटती घटना — कोरिया-एमसीबी-समाचार — अम्बिकापुर, रविवार 18 फरवरी 2024 — 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

**छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?**

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)